The Centre for Quantitative Economics and Data Science at Birla Institute of Technology, Mesra, organized a one-day national workshop on data analytics for efficient decision-making in collaboration with the Administrative Staff College of India, Hyderabad. The workshop took place on January 7, 2024, and was inaugurated by Hon. Vice Chancellor of BIT Mesra, Prof. Indranil Manna. Prof. Manna emphasized the importance of leveraging data generated from various agencies to make informed decisions that positively impact communities, academia and industries. The chief guest for the event, Shri Madan Mohan Bariar of Jharkhand Rajya Gramin Bank, discussed the significance of data generated by the banking sector and its potential for improving banking services. Head of the Centre for Quantitative Economics and Data Science, Prof Kunal Mukhopadhyay gave the welcome address. The convener of the workshop Dr Manish Kumar Pandey told that the workshop was aimed to raise awareness among working professionals in multidisciplinary domains about the incorporation of Data Analytics into their day-to-day decision-making processes. The workshop received numerous applications from professionals working in reputed banks and IT industries, as well as the education sector, including SBI, ICICI Bank, IDBI Bank, Indian Overseas Bank, Jharkhand Rajya Gramin Bank, Jharkhand University of Technology Ranchi, National Informatics Centre (NIC), Ministry of Land Resources, Ericsson India, Kolkata, Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University (DPSRU) New Delhi, and Banaras Hindu University. There were three sessions conducted. The first one by Dr. Jyoti Sekhar Banerjee led the first session, titled "How Data Analytics can be used for Efficient Decision Making in Education, Health, and Civil Sectors." The second session, led by Dr. Satyajit Mahato, focused on "Lean, Six Sigma, Data Analytics, and Industry 4.0 for MSME." The final session of the day, titled "Demystifying Data Science for Influencing Decisions that Matter," was conducted by Dr. Manish K Pandey.

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में सेंटर फॉर क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डेटा साइंस ने एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद के सहयोग से कुशल निर्णय लेने के लिए डेटा एनालिटिक्स पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला 7 जनवरी, 2024 को हुई और इसका उद्घाटन बीआईटी मेसरा के माननीय कुलपति, प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने किया। प्रोफेसर मन्ना ने समुदायों, शिक्षाविदों और उद्योगों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले सूचित निर्णय लेने के लिए विभिन्न एजेंसियों से उत्पन्न डेटा का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के श्री मदन मोहन बरियार ने बैंकिंग क्षेत्र द्वारा सृजित आंकड़ों के महत्व और बैंकिंग सेवाओं में सुधार के लिए इसकी क्षमता पर चर्चा की। सेंटर फॉर क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डेटा साइंस के प्रमुख प्रोफेसर कुणाल मुखोपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनीष कुमार पांडे ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बहु-विषयक डोमेन में काम करने वाले पेशेवरों के बीच उनके दिन-प्रतिदिन के निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में डेटा एनालिटिक्स को शामिल करने के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यशाला में एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, झारखंड विश्वविद्यालय सहित प्रतिष्ठित बैंकों और आईटी उद्योगों के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों से कई आवेदन प्राप्त हुए। तीन सत्र आयोजित किए गए थे। डॉ. ज्योति शेखर बनर्जी ने पहले सत्र का नेतृत्व किया, जिसका शीर्षक था "शिक्षा, स्वास्थ्य और नागरिक क्षेत्रों में कुशल निर्णय लेने के लिए डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कैसे किया जा सकता है। डॉ. सत्यजीत महतो के नेतृत्व में दूसरा सत्र "एमएसएमई के लिए लीन, सिक्स सिग्मा, डेटा एनालिटिक्स और इंडस्ट्री 4.0" पर केंद्रित था। दिन के अंतिम सत्र का संचालन डॉ. मनीष के. पांडे ने किया, जिसका शीर्षक था "महत्वपूर्ण निर्णयों को प्रभावित करने के लिए डेटा साइंस को डिमिसिफ़ाइंग करना"।